Regarding need to frame laws to abolish superstitious practices in the country- laid

श्री रमाशंकर राजभर **(**सलेमपुर**) :** देश में अंधविश्वास बढ़ता जा रहा है । जिससे व्यापक रूप से जन धन की हानी हो रही है । सरकार के पास अंधविश्वास से हो रही जन धन के हानि को रोकने के लिए कोई निगरानी तंत्र नहीं है, और ना ही अब तक देश में अंधविश्वास फैला कर धन कमाने वालों, आज्ञानता फैलाने वालों पर कार्यवाही के लिए कोई कानून ही बन पाया है । एक समय था जब देश में कुप्रथा, देश में सती प्रथा, अस्पृश्यता प्रथा, देवदासी प्रथा, शुद्धिकरण प्रथा, नरबलि प्रथा आदि कुप्रथाओं के खिलाफ समय-समय पर आवाज उठी और कानून बने और मान्यताओं को नकार कर देश में परिवर्तन हुआ । अंधविश्वास फैलाने वाले तंत्र, जहां गरीबी तथा अशिक्षा है, वहां अंधविश्वास फैलाकर विकास का नाश कर रहे हैं । कोई अपनी जीभ काटता है, कोई बच्चों की बलि चढ़ाता है । जिस कारण बच्चे, बूढ़े, महिला तथा पुरुष इस अंधविश्वास का शिकार हो रहे हैं । लेकिन सरकार के पास ना तो कोई सर्वेक्षण है, ना कोई बचाव व जागरूकता के तंत्र हैं । मैं सरकार से मांग करता हूं कि अंधविश्वास को देश से मिटाने का तंत्र विकसित करें और कानून बनाएं ।